1. $P_1x_1 + P_2x_2 = m$ 1

2. (a) दायीं ओर खिसकता है। 1

3 (d) नीचे की ओर ढलवाँ सीधी रेखा होगा। 1

4

वस्तु X	वस्तु Y	सी. रूपान्तरण दर
0	10	
1	9	1y : 1x
2	7	2y : 1x
3	4	3y : 1x
4	0	4y : 1x

$1\frac{1}{2}$

क्योंकि सी. रूपान्तरण दर बढ़ रही है इसलिए उत्पादन संभावना वक्र नीचे की ओर ढलवां अवतल होगी। $1\frac{1}{2}$

5. स्वच्छता बिमारी को दूर करती है और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करती है। इससे काम से अनुपस्थिति कम होती है, कार्यकुशलता बढ़ती है और देश की उत्पादन क्षमता बढ़ती है। अतः उत्पादन संभावना वक्र दाँयी ओर खिसक जाएगी। 3

अथवा

बड़ी मात्रा में विदेशी पूँजी के बाहर जाने से संसाधन घट जाएँगे और देश की उत्पादन क्षमता गिर जाएगी। इससे उत्पादन संभावना वक्र नीचे की ओर खिसक जाएगी। 3

(रेखाचित्र की आवश्यकता नहीं है।)

6. सामान्य वस्तु की कीमत और माँग में विपरीत सम्बन्ध होने के कारण माँग की कीमत लोच के माप में ऋणात्मक चिन्ह होता है जबकि ~~का~~ पूर्ति की कीमत लोच के माप में धनात्मक चिन्ह होता है क्योंकि वस्तु की ~~पूर्ति~~ कीमत और पूर्ति में प्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है। 3

7 इस विशेषता का महत्व यह है कि कोई भी एक क्रेता स्वयं बाजार कीमत को प्रभावित करने की स्थिति में नहीं होता क्योंकि वस्तु की कुल खरीद में उसका हिस्सा नगण्य होता है। 3

8.

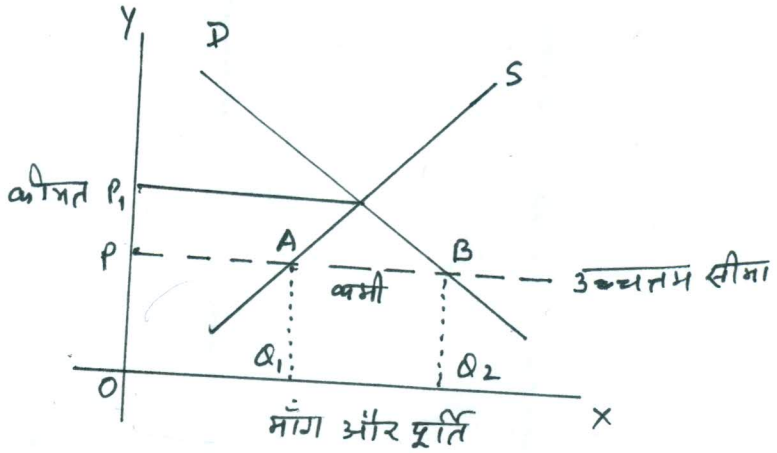

1

सरकार द्वारा किसी वस्तु की कीमत पर उच्चतम सीमा लगाना ही उच्चतम कीमत सीमा निर्धारण कहलाता है। उदाहरण के लिए रेखाचित्र में OP उच्चतम कीमत सीमा है और OP_1 संतुलन कीमत है। इस कीमत पर उत्पादक PA (या OQ_1) मात्रा सप्लाई करना चाहते हैं जबकि उपभोक्ता PB (या OQ_2) मात्रा खरीदना चाहते हैं। इस उच्चतम कीमत सीमा निर्धारण से वस्तु की सप्लाई AB (Q_1Q_2) कम हो गई। ऐसी स्थिति में काला बाजारी हो सकती है। 2

<u>दृष्टिहीन परिक्षार्थियों के लिए :</u>

उपभोक्ता से जो कीमत एक वस्तु के उत्पादक ले सकते हैं उस पर सरकार द्वारा एक अधिकतम सीमा लगाने को उच्चतम कीमत सीमा निर्धारण कहते हैं। 1

उच्चतम कीमत सीमा संतुलन कीमत से कम होती है इसलिए माँग बढ़ जाती है और पूर्ति कम हो जाती है। इससे काला बाजारी हो सकती है। 2